कक्षा 10

गद्यांश पहचानने की ट्रिक

मित्रता (आचार्य रामचंद्र शुक्ल)

ट्रिक -- यदि गद्यांश में -

✷कच्ची मिट्टी की मूर्ति ✷युवा पुरुष ✷मित्र- मित्रता की बात हो - विश्वासपात्र मित्र, मित्रता की धुन, बाल मैत्री, सहपाठी की मित्रता, मित्र का कर्तव्य. बुरी संगति. लोगों का साथ करना.

✷घोड़ा लेते हैं तो गुण दोष, ✷हंसमुख चेहरा, बातचीत का ढंग ✷ मनुष्य का जीवन थोड़ा है, ढांढस बंधा सकते हैं, ✷युवा पुरुष

✷ नाच रंग सैर सपाटा, बादशाह ड्डिमेटरियस, फूल पत्तियों में रंग नही,

✷कुसंग का ज्वर ✷ इंग्लैंड का एक विद्वान, ✷भद्दे फूहड़ गीत, ✷मनुष्य का पैर कीचड़ में, बुरी संगत, ✷काजल की कोठरी,

आदि शब्द मिलते हैं तो समझ जाइए यह मित्रता पाठ है।

ममता (जयशंकर प्रसाद)

ट्रिक: - यदि गद्यांश में---

रोहतास दुर्ग, ममता, चूड़ामणि , चांदी के बड़े थाल, म्लेच्छ का उत्कोच, सामन्त वंश,

हे भगवान! विपद के लिए इतना आयोजन, शेरशाह, धर्म चक्र विहार , मौर्य और गुप्त सम्राट ,

पंच वर्गीय भिक्षु, स्त्री, मैं ब्रह्माणी हूँ. चौसा युद्ध, गला सूख रहा है, अश्व गिर पड़ा है, मुगल,

अश्वारोही, मिर्जा, अष्टकोण मंदिर । आदि शब्द आएं तो समझना यह ममता गद्यांश है.

क्या लिखूं – पदुमलाल पुन्नालाल बख्शी

यदि गद्यांश में-

मुझे आज लिखना ही पडेगा, दूर के ढोल सुहावने,

निबन्ध ...मन की स्वच्छंद रचनाएं. लज्जाशीला नववधू, तरुण , वृद्ध, महापुरुषों के

नाम .....सुधार , सुधारक, प्रगतिशील साहित्य ,

आदि शब्द आएं तो समझ लेना क्या लिखूं पाठ है.

भारतीय संस्कृति - डॉ राजेंद्र प्रसाद

यदि गद्यांश में-

संस्कृति व नैतिक – नैतिक अंकुश, नैतिक चेतना, सामूहिक चेतना, नैतिक आधार, नैतिक सिद्धांत, शब्द बार बार आयेंगे.

अथवा

भारत की चर्चा हो, देश , विंध्य, अरावली, सतपुड़ा पहाड़ियों के चर्चा हो , असम की पहाड़ियों की चर्चा हो, खान-पान वेशभूषा , कोस कोस पर पानी बदले , भिन्न भिन्न धर्म, एक देश नहीं , अनेक देश, फूलों को पिरोकर सुंदर हार बनाना निर्मल शुद्ध शीतल स्वस्थ अमृत की तलाश, नैतिक और आध्यात्मिक स्त्रोत, नैतिक सिद्धांत , अहिंसा तत्व , नैतिक सिद्धांत, तेन त्यक्तेन भुंजीथा , वैज्ञानिक और औद्योगिक विकास, अरविंद और रमण महर्षि,

सामूहिक चेतना , संस्कृति विभिन्नताये , बापू , देशवासी, विज्ञान मनुष्य के हाथ में अद्भुत शक्ति रहा है , भारतीय संस्कृति , देवनागरी में छपवाने का आयोजन करें , भारतीय भाषाओं की बात , चित्रकला वास्तु कला मूर्तिकला , गर फिरदौस, उन्नति और विकास , मनीषी और कर्मयोगी, ऐतिहासिक सत्य , अन्याय और अत्याचार, संस्कृति एवं सामूहिक चेतना , संस्कृति एवं समन्वय ,

आदि शब्द आएं तो समझ लेना भारतीय संस्कृति पाठ है

ईर्ष्या तू न गयी मेरे मन से- रामधारी सिंह दिनकर

ट्रिक - यदि गद्यांश में-

ईर्ष्या , ईर्ष्यालु, निंदा, निंदक शब्द बार-बार आयेंगे

अजंता- भगवतशरण उपाध्याय

ट्रिक - यदि गद्यांश में-

अजन्ता, पहाड़ काटने, अमानत, विरासत, सँगसाजो ने रौनक बरसाई, अजंता, चट्टानी छाती , फसाने अजायब, कहानी से कहानी टकराती , नर नारी , मनुष्य पशु, हैवान की हैवानियत , बुद्ध का जीवन, महाभिनिष्क्रमण , सिद्धार्थ , राहुल , बंदरों का चित्र , जातक , बुध गज कपि, मृग , गुफा , कथा प्राण चित्र,

आदि शब्दों की चर्चा हो अजंता पाठ्य गद्यांश हैं.

पानी में चंदा चाँद पर आदमी – जयप्रकाश भारती

बच्चे रेडियो पर कान सटाए बैठे थे. रोमांचक घटना. चन्द्रमा, चाँद, वैज्ञानिक, चंद्रमुखी, अंतरिक्ष, राजनीपति, रात्रि की देवी, चन्द्रतल, अंतरिक्ष यात्री- यूरी गागरिन.